कैसे करू तुम्हारा मैं शुकरिया बता दे

कैसे करू तुम्हारा मैं शुकरिया बता दे
उम्मीद से भी ज्यदा तूने क्यों दिया बता दे,
कैसे करू तुम्हारा मैं शुकरिया बता दे

जीने को है जरुरी बरसी है उतनी दोलत
बे इन्तहा दयालु की है जहाँ में शोरत,
मशहुर मुझको इतना तूने क्यों किया बता दे,
उम्मीद से भी ज्यदा तूने क्यों दिया बता दे,
कैसे करू तुम्हारा मैं शुकरिया बता दे

ये गम है क्या की मुझको धनवानों में बिठाया,
ग्यानी जनों के सन मुख मुझे मान है दिलाया,
लायक नही था जिस के तूने क्यों दिया बता दे
उम्मीद से भी ज्यदा तूने क्यों दिया बता दे,
कैसे करू तुम्हारा मैं शुकरिया बता दे

पैसो से पा सकू न वो चीज मुझे दी है
पहचानता था मुझको तूने भीड़ में भी दी है
तेरे हर्ष पे कर्म ये तूने क्यों किया बता दे
उम्मीद से भी ज्यदा तूने क्यों दिया बता दे,
कैसे करू तुम्हारा मैं शुकरिया बता दे

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19742/title/kaise-karu-tumhara-main-shukariya-bta-de

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |